सूक्ष्म शिक्षण
(Micro Teaching)

Principal
Bhumi Girls B.Ed College
Jaipur

Presented by
ADITI PATRIYA
BSC BED CBZ 2ND YEAR

सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ

- सूक्ष्म शिक्षण अध्यापकों को कक्षा अध्यापन प्रक्रियाओं की शिक्षा देने के लिये नवीन प्रशिक्षण प्रणाली है। भारत और विश्व के अनेक भागों में इस पर अभी अनुसंधान कार्य चल रहा है।
- शिक्षकों के प्रशिक्षण में इस प्रणाली को कम समय में अधिक उपयोगी पाया गया है। अनेक प्रकार से सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषा देने के प्रयास किये गये है।

परिभाषाएं

डी एलन के अनुसार

"सूक्ष्म शिक्षण समस्त शिक्षण को लघु क्रियाओं में बांटना है।"

एलन और ईव के अनुसार

"यह नियंत्रित अभ्यास की वह प्रणाली है जो विशिष्ट शिक्षण व्यवहार पर केन्द्रित होती है और शिक्षण अभ्यास को नियंत्रित परिस्थितियों में संभव बनाती है।"

इस विधि के द्वारा शिक्षण के कौशलों का विकास किया जाता है। यह वास्तविक शिक्षण है इसके द्वारा शिक्षण की जटिलता को कम किया जा सकता है।

सूक्ष्म शिक्षण चक्र/सोपान :–

- 1. अभिविन्यास।
- 2. शिक्षण कौशलों की चर्चा।
- 3. आदर्श पाठ प्रस्तुतीकरण।
- 4. पाठ निरीक्षण एवं समालोचना।
- 5. छात्र अध्यापक द्वारा सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना।
- 6. छात्र अध्यापक द्वारा अध्यापन।
- 7. पृष्ठपोषण।
- 8. पुनः पाठ योजना।
- 9. पुनः अध्यापन।
- 10. पुनः पृष्ठपोषण।
-

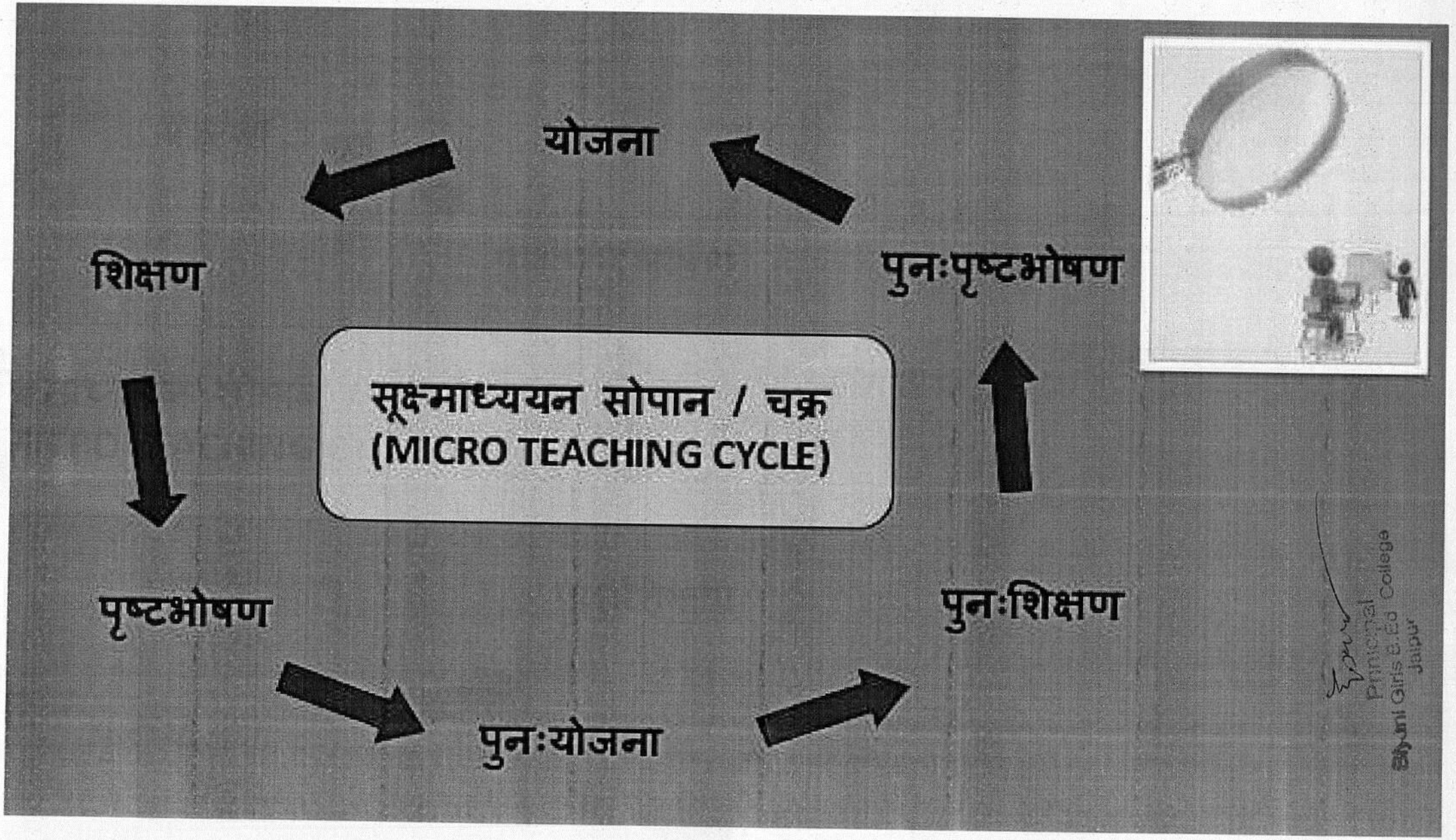

योजना
पुनःपृष्टभोषण
शिक्षण
सूक्ष्माध्ययन सोपान / चक्र
(MICRO TEACHING CYCLE)
पृष्टभोषण
पुनःशिक्षण
पुनःयोजना
Principal
Girls B.Ed College
Jaipur

1

योजना (PLANNING)

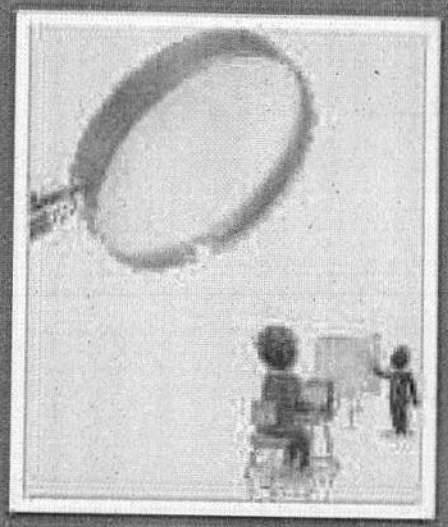

क्या तथ्य सिखाता है, किस कौशल में प्रशिक्षण प्राप्त करता है उसकेलिए प्रशिक्षण छात्र पहला एक योजना तैयार करता है।

Principal
Girls S.Ed. College
Jaipur

2

शिक्षण (TEACHING)

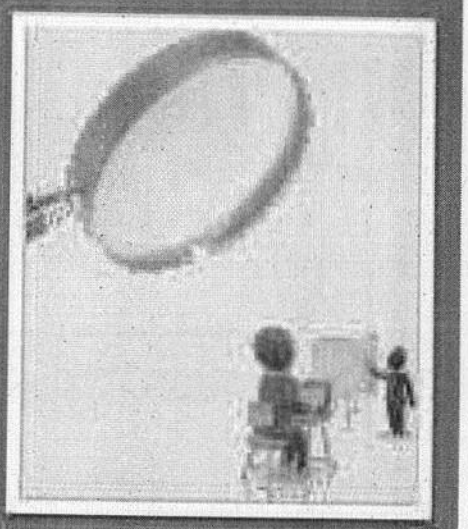

योजना के आधार पर कक्षा में कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त करता है।इसकेलिए पाँच मिनट का समय देता है।

3

पृष्टभोषण (FEEDBACK)

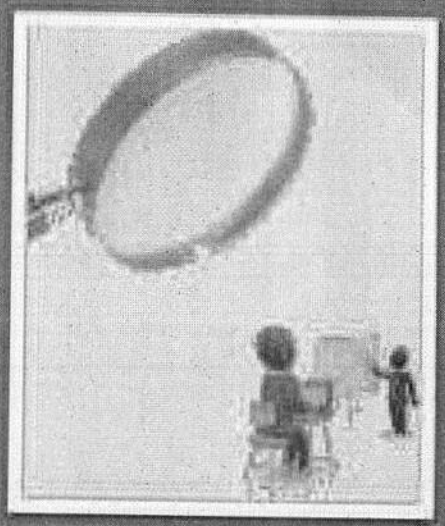

प्रत्येक छात्राध्यापक की शिक्षण कौशल की आधार पर अन्य छात्रों दवारा पृष्टभोषण प्रदान की जाती है। पृष्टभोषण केलिए सामान्यतः छह मिनट का समय देता है।

Principal
Girls B.Ed College
Jaipur

4

पुनःयोजना

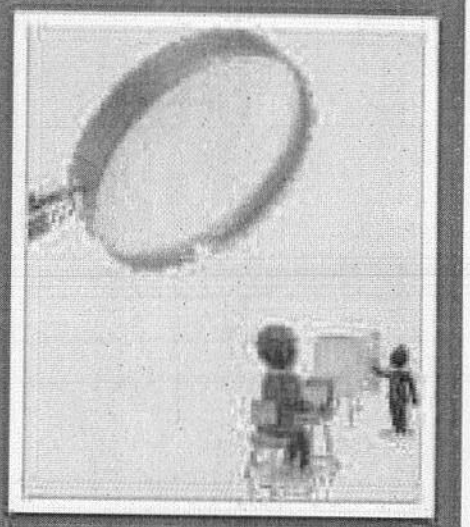

प्राप्त पृष्टभोषण के आधार पर छात्राध्यापक सुझाव संघेदोम को अपनाते हुए अपने सूक्ष्म पाढ़ का पुनःयोजना करता हैं इसकेलिए लगभग बारह मिनट का समय देता है।

Principal
Girls B.Ed College
Jaipur

5

पुनःशिक्षण

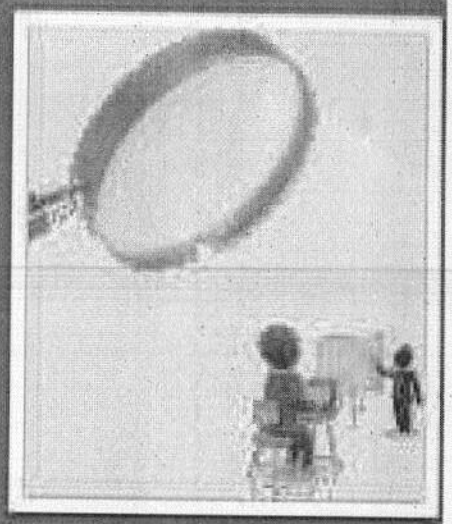

पुनःनिर्मित पाढ़भाग को छात्राध्यापक पुनः पढ़ाता है। इस कार्य केलिए पाँच या छह मिनट का समय दिया जाता है।

6

पुनःपृष्टभोषण

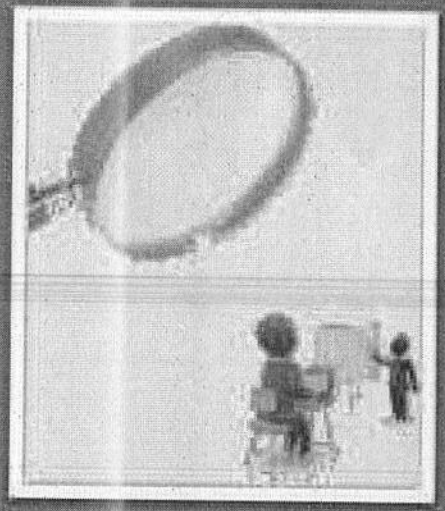

इस सोपान पर छात्राध्यापक को पुनः पृष्टभोषण प्रदान की जाती है। खूबियों तथा कमियों का अपबोध देता है। इस सोपान को आलोचना सत्र भी कहता है।

Principal
Girls B.Ed College
Jaipur

सूक्ष्म शिक्षण के शिक्षण कौशल

सूक्ष्म शिक्षण का प्रयोग विशिष्ट शिक्षण कौशलों के विकास हेतु किया जाता है। शिक्षण के अनेक कौशलों का उल्लेख किया गया है। ऐलन तथा रायन ने सन 1968 में चौदह शिक्षण कौशलों कीव्याख्या की है।

1. उद्दीपन परिवर्तन।
2. भूमिका निर्वाह।
3. समीपता।
4. मौन तथा अशाब्दिकसंकेत।
5. पुनर्बलन का कौशल
6. प्रश्न पूछने में प्रवाह।
7. गहन प्रश्न पूछना।
8. दृष्टान्त एवं उदाहरणों का प्रयोग।
9. उद्देश्यों को लिखने का कौशल।
10. श्यामपट के प्रयोग का कौशल।
11. दृष्य श्रव्य सहायक सामग्री प्रयोग का कौशल।
12. प्रवचन का कौशल।
13. पाठ के अनुसरण का कौशल।
14. सम्प्रेषण की पूर्णता।

पारम्परिक शिक्षण और सूक्ष्म शिक्षण में अन्तर

- 1. पारंपरिक शिक्षण में कक्षा का आकार बहुत बड़ा होता है जबकि सूक्ष्म शिक्षण में पांच से दस छात्र ही कक्षा में होते है।
- 2. पारंपरिक शिक्षण में शिक्षण अवधि (कालखण्ड) 40 से 50 मिनट का होता है जबकि सूक्ष्म शिक्षण में 5 से 10 मिनट का।
- 3. सूक्ष्म शिक्षण में प्रतिपुष्टि की व्यवस्था होती है, पारंपरिक में नहीं।
- 4. पारंपरिक शिक्षण में शिक्षण प्रक्रिया बहुत जटिल होती है जबकि सूक्ष्म शिक्षण में सरल।

Principal
Girls B.Ed
Jaipur

सूक्ष्म शिक्षण के लाभ

- 1. छात्रों की संख्या व शिक्षण अवधि कम होती है।
- 2. अनुशासनहीनता की समस्या नहीं होती।
- 3. इसका प्रयोग महाविद्यालय में ही किया जा सकता है।
- 4. इसमें एक समय में एक ही शिक्षण कौशल पर ध्यान दिया जाता है।
- 5. इसमें तात्कालिक प्रतिपुष्टि की व्यवस्था होती है।
- 6. इसमें पुनः नियोजन, पुनः शिक्षण तथा पुनः मूल्यांकन की सुविधा होती है।
-

सूक्ष्म शिक्षण की विशेषताएं

शिक्षक प्रशिक्षण में इस नवीन विद्या का आरंभ प्रशिक्षण व्यवस्था की कमियों को दूर करने तथा शिक्षण कौशलों में दक्षता पैदा करने के लिये हुआ।

1. यह अपेक्षाकृत सरलीकृत प्रशिक्षण पृष्ठभूमि है।
2. वांछित परिवर्तन तक शीघ्र ही पहुंचा जा सकता है।
3. छात्र अध्यापक अपनी कमियों को दूर करने के लिये किसी एक विशिष्ट शिक्षण कौशल का बार-बार प्रयोग कर सकता है।
4. प्रशिक्षक द्वारा पाठ का समुचित निरीक्षण संभव है।
5. पाठ के तत्काल बाद ही छात्राध्यापक को समुचित प्रतिपुष्टि मिलती है।

सूक्ष्म शिक्षण के विभिन्न उपयोग

- सिद्धांत और व्यवहार का एकीकरण।
- 2. व्यावसायिक परिपक्वता।
- 3. सेवारत प्रशिक्षण हेतु उपयोग।
- 4. निरंतर प्रशिक्षण का साधन।
- 5. स्वमूल्यांकन।
- 6. पर्यवेक्षण का नया स्वरूप ।
- 7. आदर्श पाठ।
- 8. अनुसंधान का साधन।

Principal
Girls B.Ed College
Jaipur

सूक्ष्म शिक्षण प्रयोग में सावधानियां

- सूक्ष्म शिक्षण का प्रयोग करते समय अग्रलिखित प्रमुख सावधानियां रखनी चाहिए।
- 1. शिक्षण उद्देश्य का विशिष्टीकरण स्पष्ट होना चाहिए।
- 2. वाद-विवाद के समय छात्र अध्यापक की आलोचना नहीं करनी चाहिए।
- 3. एक ही विषय के छात्राध्यापक को वाद-विवाद में शामिल करना चाहिए और उन्हीं को निरीक्षणका अवसर देना चाहिए।
- 4. एक समय में केवल एक ही शिक्षण कौशल का विकास करना चाहिए और उसी से संबंधित सुझाव देना चाहिए।

सूक्ष्म शिक्षण की सीमाएं

- 1. इस विधि से प्रशिक्षण हेतु अधिक (पर्याप्त) समय की आवश्यकता होती है।
- 2. सूक्ष्म शिक्षण प्रयोगशाला की व्यवस्था करना महंगा पड़ता है।
- 3. प्रशिक्षकों को उचित प्रशिक्षण प्राप्त नहीं हो पाता।
- 4. यह विधि स्वयं में संपूर्ण नहीं है, यह विधि तभी लाभदायक सिद्ध हो सकती है जब इसका प्रयोग अन्य विधियों के साथ किया जावे।

Principal
Jaipur

धन्यवाद

Principal
Shyam Girls B.Ed College
Jaipur

BIYANI
Where you can trust

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE, JAIPUR

Links of online teaching-learning process

https://drive.google.com/file/d/1TMPr8DvwmGJCVCcVMwercf6UtbHidzi4/view?usp=sharing

https://drive.google.com/file/d/1I5-UkslYBTFQHJ-NaE0KU7JkBgg8rZ_y/view?usp=sharing

https://drive.google.com/file/d/1kxPf059UrC79YbFj3i7mzHwpwUx3ETXN/view?usp=sharing

https://drive.google.com/file/d/1TMPr8DvwmGJCVCcVMwercf6UtbHidzi4/view?usp=sharing

Epareek

PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

Dr. Ekta Pareek

Principal

Copy to: Chairman/Director (Acad.)/Principals/Registrar/HR/HOD's/KPO/Reception/All the IQAC Members.

Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

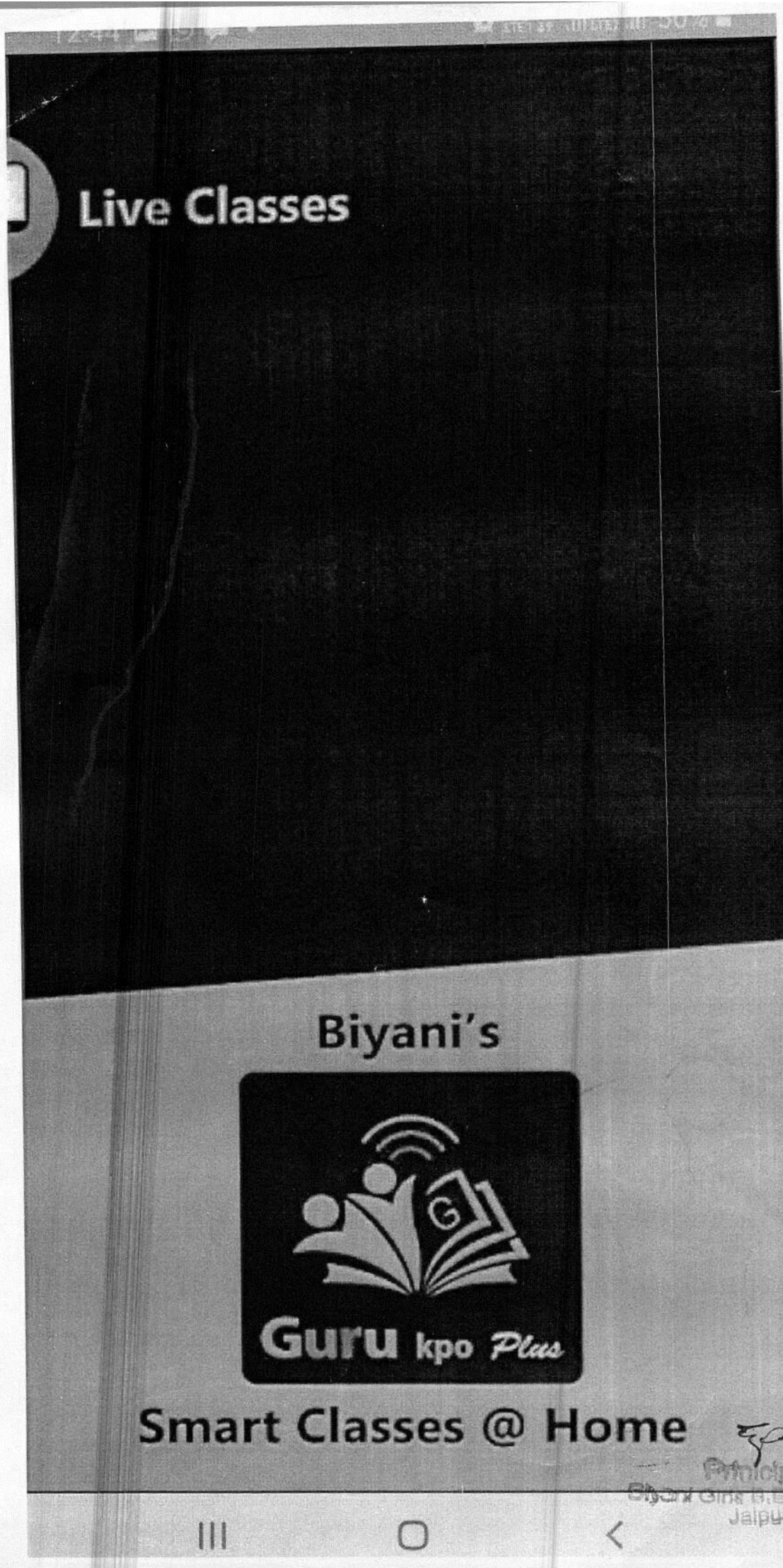

Principal
Biyani Girls B.Ed. College
Jaipur

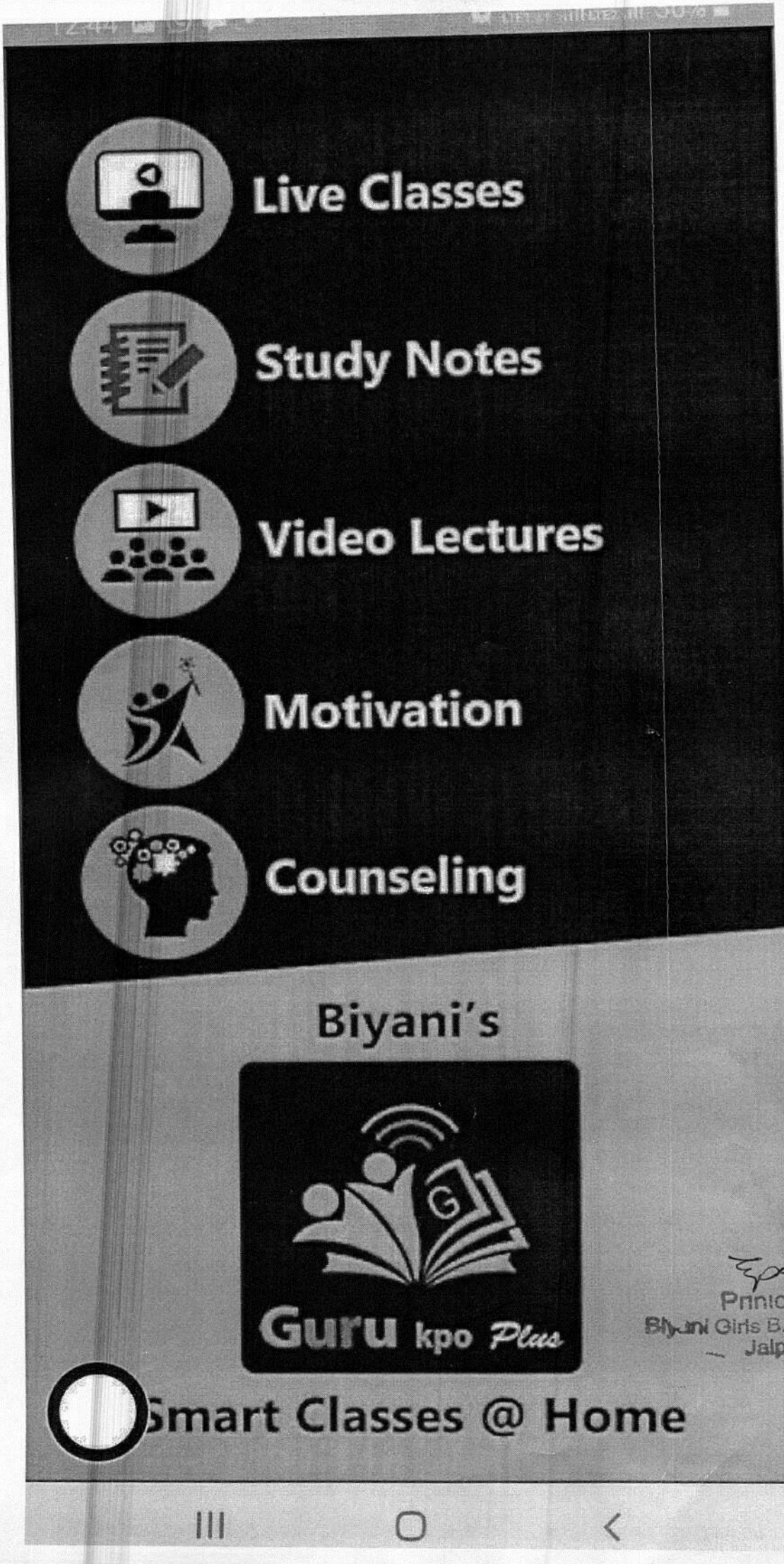

Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

Guru Kpo Plus

- My Courses
- Live Classes
- Motivation Section
- Counseling and Guidance
- Entertainment

Webinars & Events

Personality Development Classes

Free Videos

14th Kalpana Chawala Award

Reasoning and Mental Ability

B.Sc. (Mathematics)

Principal
Girls B.Ed. College
Jaipur

Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

Login Page

Biyani Girls B.Ed College

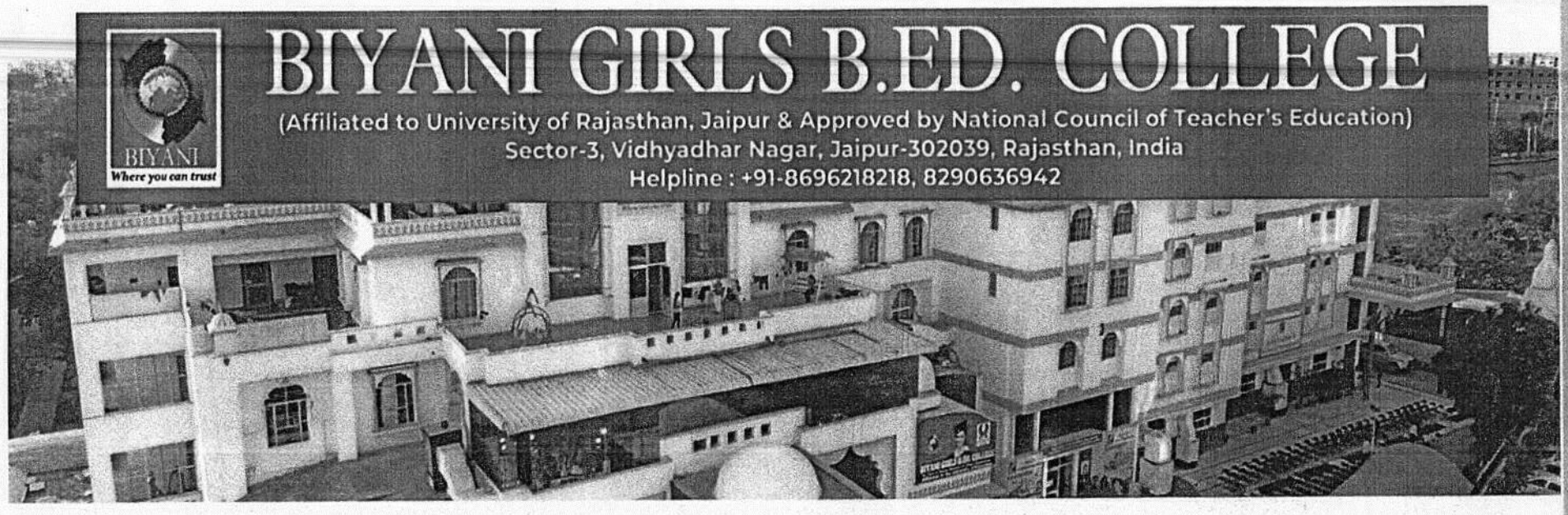

FACULTY LOGIN

Username

Password

Submit

Activate Windows
Go to System in Control Panel to activate Windows.

Student Login Page

Biyani Girls B.Ed. College

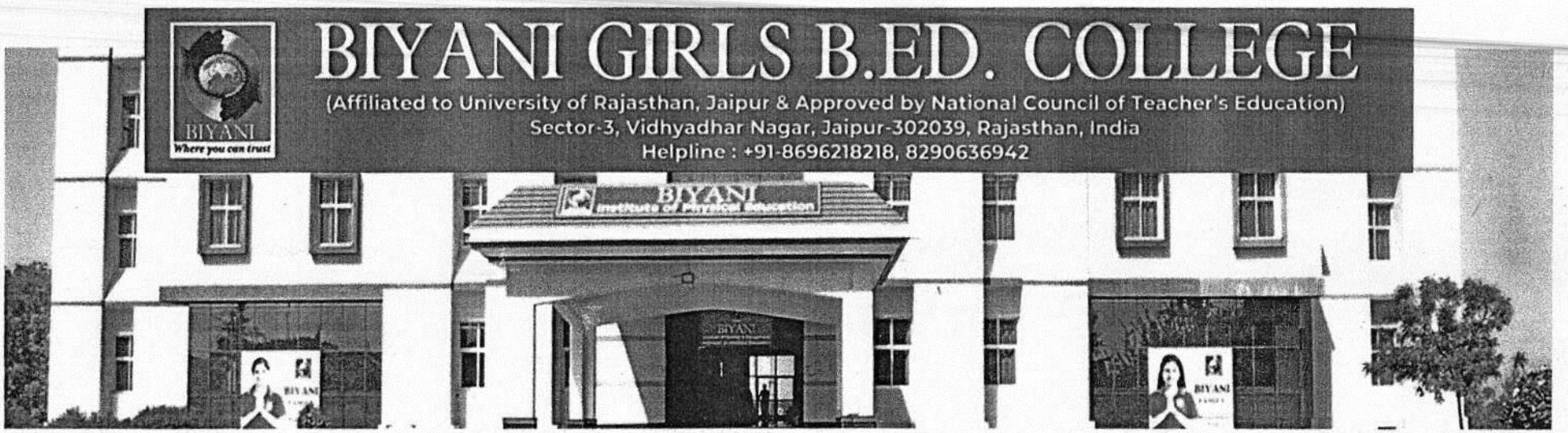

STUDENT LOGIN

Username

Password

Submit

Principal
Biyani Girls B.Ed College

Activate Windows
Go to System in Control Panel to activate Windows.